आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

# अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 17 अंक : 02 लखनऊ, मंगलवार 14 अप्रैल 2026 सा 20 अप्रैल 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

## नोएडा में हिंसा पर मुख्यमंत्री योगी का बड़ा बयान, बोले- प्रदेश में अशांति फैलाने की हो रही साजिश

लखनऊ। एनसीआर में श्रमिकों के बढ़ते असंतोष की लहर नोएडा में हिंसा में तब्दील हो गई, जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शांति बनाए रखने की अपील की और श्रमिकों को आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ खड़ी है। मुजफ्फरनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए योगी ने बढ़ते तनाव के बीच श्रमिकों से सीधे अपील करते हुए दृढ़ रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बनी दोहरी इंजन सरकार सुरक्षा, सुशासन और सेवा का एक आदर्श म डल बना रही है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ लोग अशांति फैलाने और राज्य को शांति और समृद्धि की ओर बढ़ने से रोकने की साजिश रच रहे हैं। योगी ने श्रमिकों से भी अपील करते हुए कहा कि मैं सभी कर्मचारियों और मजदूरों से अपील करता हूं, डबल इंजन वाली सरकार हमेशा आपके साथ खड़ी है, साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि कोविड काल के दौरान श्रमिकों को सरकार द्वारा व्यवस्थित वाहनों का उपयोग करके घर पहुंचाया गया था। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने नोएडा में श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन से निपटने के तरीके को लेकर राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि मदरसन ग्रुप की फैक्ट्री के बाहर के दृश्य चिंताजनक थे। एक्स पर एक पोस्ट में राय ने कहा कि बढ़ती महंगाई और कथित

वेतन शोषण श्रमिकों को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञापन खाली पेट नहीं भर सकते और आंसू गैस के गोले भूख मिटा नहीं सकते। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बल प्रयोग करने के बजाय श्रमिकों की मांगों को पूरा करने का आग्रह किया। वेतन वृद्धि की मांग को लेकर फैक्टरी कर्मियों द्वारा किया जा रहे प्रदर्शन के दौरान सोमवार को जमकर हिंसा हुई औरनोएडा के फेज–२ और सेक्टर–६० इलाकों में वाहनों में आग लगा दी गई, संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और पथराव की घटनाएं सामने आईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। प्रदर्शन के कारण यातायात ठप हो गया, जिससे सुबह के व्यस्त समय में दिल्ली जाने वाली विभिन्न सड़कों पर हजारों यात्री फंस गए। दिल्ली–नोएडा सीमा पर कई किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। अधिकारियों के अनुसार, विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के कर्मचारी बड़ी संख्या में सुबह एकत्र हुए और उन्होंने वेतन संशोधन की अपनी काफी समय से लंबित मांग को लेकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया। सेक्टर–६२ और सेक्टर–८४ में भी मजदूरों ने सुबह से ही प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग–९ को भी जाम कर दिया। प्रदर्शन जल्द ही हिंसक हो गया। कुछ प्रदर्शनकारियों ने संपत्ति में तोड़फोड़ की, पथराव किया और वाहनों में आग लगा दी। अधिकारियों ने बताया कि गौतम बुद्ध नगर आयुक्तालय के अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई है।

## फर्जी वोटिंग पर लगेगी लगाम? सर्वोच्च न्यायालय ने बायोमेट्रिक सिस्टम पर केंद्र, चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने मतदान केंद्रों पर दोबारा मतदान रोकने के लिए उंगली और आंखों की पुतली से बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली लागू करने की मांग वाली याचिका पर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई), केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया। यह याचिका भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय ने दायर की थी। यह नोटिस भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति ज यमाल्य बागची सहित दो न्यायाधीशों की पीठ ने जारी किया। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में चल रहे विधानसभा चुनावों के संदर्भ में इस याचिका पर विचार नहीं किया जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा,हालांकि, अगले संसदीय चुनाव औरध्या राज्य विधानसभा चुनावों से पहले इस तरह का उपाय अपनाना उचित है या नहीं, इसकी जांच करने की आवश्यकता है। नोटिस जारी करें। सुनवाई के दौरान, पीठ ने पहले याचिकाकर्ता को निर्वाचन आयोग के

पास जाने के लिए कहा था, लेकिन याचिकाकर्ता द्वारा यह स्पष्ट करने के बाद कि वह चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में चल रहे विधानसभा चुनावों के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, मामले की सुनवाई के लिए सहमत हो गई। अदालत ने टिप्पणी की कि यह जांच करना आवश्यक है कि क्या आगामी संसदीय चुनावों या राज्य चुनावों के लिए इस तरह के प्रोटोक ल का पालन किया जा सकता है। असम, केरल और पुडुचेरी में मतदान ९ अप्रैल को एक ही चरण में हुआ, जबकि तमिलनाडु में मतदान २३ अप्रैल को होगा। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान होगारू २३ और २९ अप्रैल। सभी राज्यों के चुनाव आयोग ४ मई को परिणाम घोषित करेंगे। उपाध्याय ने अपनी याचिका में कहा था, नागरिकों को होने वाला नुकसान बहुत बड़ा है क्योंकि रिश्वतखोरी, अनुचित प्रभाव, प्रतिरूपण, नकली मतदान और फर्जी मतदान अभी भी चुनावी प्रक्रिया की पवित्रता और अखंडता को प्रभावित करते हैं।

## प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का तोहफाः दिल्ली-देहरादून EÛpressway से ६ घंटे का सफर अब मात्र २.५ घंटे में पूरा होगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को दिल्ली–देहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन करेंगे, जिससे दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय लगभग आधा रह जाएगा। साथ ही, वह हाई–स्पीड एक्सप्रेसवे के एलिवेटेड सेक्शन पर वन्यजीव मार्ग की भी समीक्षा करेंगे। दिल्ली–देहरादून आर्थिक गलियारा १२,००० करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया गया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, यह गलियारा दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से होकर गुजरता है तथा इससे राष्ट्रीय राजधानी एवं देहरादून के बीच यात्रा का समय मौजूदा छह घंटे से घटकर लगभग ढाई घंटे रह जाएगा। प्रधानमंत्री १४ अप्रैल को उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे। इस दौरान वह सहारनपुर जाकर दिल्ली–देहरादून आर्थिक गलियारे पर बने 'वन्यजीव गलियारे' की समीक्षा करेंगे। इसके बाद मोदी देहरादून के पास स्थित 'मां डाट काली' मंदिर में पूजा–अर्चना करेंगे। बयान में कहा गया है कि इसके बाद प्रधानमंत्री देहरादून में

एक सार्वजनिक समारोह में दिल्ली–देहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन करेंगे और इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित भी करेंगे। यात्रियों को सुरक्षित और अधिक कुशल यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए गलियारे में 'उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली' (एटीएमएस) लगाई गई है।

## नोएडा में मजदूरों के बवाल पर गरमाई सियासत, अखिलेश यादव ने सरकार को जमकर घेरा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने १३ अप्रैल को नोएडा फेज २ में कर्मचारियों द्वारा किए गए हिंसक विरोध प्रदर्शन के लिए भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में अन्याय अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया है। पत्रकारों को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के शासन में अन्याय चरम पर पहुंच गया है। हर तरह का अन्याय हो रहा है। आर्थिक अन्याय हो रहा है। बढ़ती महंगाई से अन्याय हो रहा है। बढ़ती बेरोजगारी से अन्याय हो रहा है। आज हमने नोएडा में जो देखा, उसमें मजदूर बड़े पैमाने पर अपने अधिकारों की मांग कर रहे थे। अखिलेश यादव ने इन घटनाओं के लिए प्रशासन और राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की है। वेतन असमानता पर चिंता जताते हुए यादव ने आगे कहा कि जब अन्य राज्यों में श्रमिकों के वेतन बढ़ाए गए, तो उत्तर प्रदेश सरकार ने राहत क्यों नहीं दी? यह घटना नोएडा के फेज २ स्थित होजरी कॉम्प्लेक्स के श्रमिकों द्वारा वेतन वृद्धि की मांग को लेकर किए गए प्रदर्शन से संबंधित है। प्रदर्शन हिंसक हो गया, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर वाहनों और संपत्ति में तोड़फोड़ की और पुलिस पर पत्थर फेंके। बताया जाता है कि अशांति के दौरान एक कार में आग लगा दी गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अधिकारियों ने भारी

संख्या में पुलिस बल तैनात किया। १२ अप्रैल को, नोएडा की जिला मजिस्ट्रेट मेधा रूपम ने श्रमिकों के अधिकारों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए प्रधान सचिव (श्रम) और उत्तर प्रदेश के श्रम आयुक्त के साथ बैठक की। जिला मजिस्ट्रेट ने X को बताया कि औद्योगिक शांति बनाए रखने के लिए नोएडा प्राधिकरण में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रधान सचिव (श्रम) और उत्तर प्रदेश के श्रम आयुक्त ने आभासी रूप से भाग लिया और श्रमिकों के हितों की सुरक्षा, ओवरटाइम के लिए दोहरा भुगतान, बोनस, साप्ताहिक अवकाश और कार्यस्थल सुरक्षा सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

# सम्पादकीय

## मानव तस्करी का नया चेहराः नौकरी का झांसा और युद्ध की आग

सुप्रीम कोर्ट की ये टिप्पणी उचित है कि कई भारतीयों को नौकरी या पढ़ाई का लालच देकर रूस ले जाने के बाद यूक्रेन युद्ध में लगा देने की घटनाएं मानव तस्करी मानी जाएंगी। इस रूप में रूस जाकर फंसे २६ व्यक्तियों की तरफ से दायर याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए तीन जजों की खंडपीठ ने केंद्र से इस बारे में रिपोर्ट मांगी है। याचिका में यह मार्मिक उल्लेख है कि रूस में फंसे ये लोग अपनी इच्छा के खिलाफ एक अन्य देश की लड़ाई लड़ रहे हैं, जिसमें उनकी मौत हो भी सकती है। ये मामला खासा पुराना हो चुका है। केंद्र ने कई बार उन लोगों को वापस लाने का भरोसा दिया, लेकिन असल में कुछ नहीं हुआ। यह भारत की दुर्दशा की एक मिसाल है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ऐसी मिसालों की कोई कमी नहीं है। कुछ समय पहले ऐसी आईं खबरें आईं कि भारतीय युवाओं को आईटी या कॉल सेंटर नौकरी का झांसा देकर दक्षिण–पूर्व एशिया (खासकर म्यांमार, कंबोडिया, लाओस) ले जाया गया और उन्हें ऑनलाइन साइबर अपराध करने के लिए मजबूर किया गया। ऐसे तमाम मामलों में बाहर ले जाने के बाद नौजवानों के पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं और उन्हें कैद जैसे हाल में रखा जाता है। खाड़ी देशों में ऐसी घटनाएं बड़ी संख्या में होती रही हैं। विदेश में ऊंची तनख्वाह और चमकदार करियर का झांसा देकर मोटी रकम वसूलने वाले ऐसे अनेक गिरोह सक्रिय हैं, जो बाहर ले जाने के बाद युवाओं को मुसीबत में छोड़ देते हैं। पिछले साल सिर्फ हरियाणा में ऐसी ३३ शिकायतें दर्ज हुईं। सर्वोच्च न्यायालय की ताजा परिभाषा के मुताबिक ऐसे तमाम मामले मानव तस्करी के दायरे में आएंगे, जो एक गंभीर अपराध है। मुद्दा है कि केंद्र और राज्य सरकारें ऐसे अपराधों से क्यों आंख मूंदे हुई हैं? उन्हें अपने नौजवानों की चिंता क्यों नहीं है, जो देश में अवसरहीनता से मजबूर होकर विदेशों रोजी–रोटी तलाशने के लिए मजबूर होकर "मानव तस्करों" के हाथ में पड़ जाते हैं? सुप्रीम कोर्ट ने अब उचित हस्तक्षेप किया है, मगर उससे सूरत बदलने की आशा न्यूनतम ही है।

## बांग्लादेश से आए Hindu Refugees को दशकों बाद मिलेगा जमीन का मालिकाना हक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल बांग्लादेश से विस्थापित हुए ३३१ हिंदू परिवारों को भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र सौंपेंगे। आजादी के बाद से बांग्लादेश से आए हिंदू परिवारों को अब तक भूमि स्वामित्व का अधिकार नहीं मिला था। मुख्यमंत्री लखीमपुर खेरी, धौराहरा और मोहम्मदी में ४१७ करोड़ रुपये की २१३ परियोजनाओं का उद्घाटन और

शिलान्यास करेंगे। चंदन चौकी (पालिया) में मुख्यमंत्री थारू जनजाति के ४,५५६ परिवारों को भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र वितरित करेंगे। वे पालिया, श्रीनगर, निघासन और गोला में ८१७ करोड़ रुपये की ३१४ परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने स्मार्ट बिजली मीटर को लेकर विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त उपभोक्ताओं की शिकायतों का संज्ञान लेते हुए इसकी गहन जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि आम उपभोक्ता स्वाभाविक रूप से ईमानदार होता है और यदि उसे समय पर सही बिल प्राप्त हो, तो वह भुगतान करने में बिल्कुल नहीं हिचकता है। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में ऊर्जा विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने 'ओवरबिलिंग' की समस्या की वास्तविक स्थिति का पता लगाने हेतु विशेषज्ञों की एक समिति गठित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यदि उपभोक्ता की कोई गलती नहीं है, तो उसका बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाना चाहिए। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में किए गए सुधारों का वास्तविक लाभ अन्तिम उपभोक्ता तक पहुंचे, इसके लिए विश्वसनीय आपूर्ति, तकनीकी दक्षता और जवाबदेही को आधार बनाकर कार्य किया जाए। उन्होंने 'स्मार्ट मीटरिंग', पारेषण हानि में कमी, उपभोक्ता सेवाओं के डिजिटलीकरण तथा राजस्व संग्रह में सुधार को तेज करने के निर्देश दिए।

# उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से दो करोड़ नाम हटाये गये, जारी अंतिम आंकड़ों से राज्य की चुनावी तस्वीर में बड़ा बदलाव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के बाद जारी अंतिम आंकड़ों ने राज्य की चुनावी तस्वीर में बड़ा बदलाव सामने रखा है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची के अनुसार लगभग दो करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। यह संख्या अपने आप में अत्यंत महत्वपूर्ण है और राज्य की कुल जनसंख्या तथा चुनावी भागीदारी पर गहरा प्रभाव डालने वाली है। हम आपको याद दिला दें कि उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान कुल १६६ दिनों तक चला, जिसकी शुरुआत २७ अक्टूबर २०२५ को हुई थी। उस समय राज्य में कुल १५ करोड़ ४४ लाख मतदाता पंजीत थे। प्रारंभिक चरण के बाद छह जनवरी को प्रकाशित प्रारूप सूची में यह संख्या घटकर बारह करोड़ पचपन लाख रह गई थी। हालांकि इसके बाद आपत्तियों, दावों, सुनवाई और सत्यापन की लंबी प्रक्रिया के पश्चात अंतिम सूची में कुल १३ करोड़ ३६ लाख ८४ हजार ७६२ वैध मतदाता दर्ज किए गए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिन मतदाताओं का नाम अंतिम सूची में शामिल नहीं हो पाया है, वे पंद्रह दिनों के भीतर संबंधित जिला अधिकारी के समक्ष अपील कर सकते हैं। इसके बाद भी समाधान न मिलने पर दूसरी अपील मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास की जा सकती है और अंत में नया मतदाता बनने के लिए प्रपत्र छह भरा जा सकता है। यदि जिलावार आंकड़ों पर नजर डालें तो राजधानी लखनऊ में सबसे अधिक नौ लाख चौदह हजार नाम हटाए गए, जो लगभग २२.७६ प्रतिशत है। इसके बाद प्रयागराज में आठ लाख छब्बीस हजार, कानपुर में छह लाख सत्तासी हजार, आगरा में छह लाख सैंतीस हजार, गाजियाबाद में पांच लाख चौहत्तर हजार, मेरठ में पांच लाख छह हजार और बरेली में चार लाख छप्पन हजार नाम हटाए गए। विधानसभा क्षेत्रों में साहिबाबाद में तीन लाख सोलह हजार नाम हटाए जाने के साथ यह सूची में सबसे ऊपर रहा, जबकि नोएडा, लखनऊ उत्तर, आगरा कैंट और इलाहाबाद उत्तर भी प्रमुख रहे। छह जनवरी से दस अप्रैल के बीच कुल आठ लाख पंद्रह हजार नौ सौ छियानवे मतदाताओं के नाम हटाए गए। इनमें से तीन लाख पचास हजार से अधिक लोगों ने नोटिस का जवाब नहीं दिया, लगभग तीन लाख अट्ठाईस हजार लोग स्थानांतरित पाए गए, उनहत्तर हजार से अधिक नाम बहु प्रविष्टि के कारण हटाए गए, पचपन हजार से अधिक मतदाता मृत पाए गए और दो हजार से अधिक लोग आयु या नागरिकता मानकों पर खरे नहीं उतरे। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान तीन करोड़ छब्बीस लाख से अधिक नोटिस जारी किए गए। लगभग एक करोड़ चार लाख मतदाता ऐसे पाए गए जिनकी जानकारी पूरी तरह से मेल नहीं खा रही थी, जबकि दो करोड़ २२ लाख मामलों में तार्किक विसंगतियां थीं। चौदह जनवरी से नोटिस जारी होने शुरू हुए और ३१ जनवरी से सुनवाई की प्रक्रिया शुरू होकर २७ मार्च

तक पूरी की गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जोर देकर कहा कि किसी भी मतदाता का नाम बिना उचित प्रक्रिया के नहीं हटाया गया। यदि किसी का नाम प्रारूप सूची में था लेकिन अंतिम सूची में नहीं है तो यह या तो प्रपत्र में त्रुटि के कारण हुआ है या फिर सुनवाई के बाद लिया गया निर्णय है। हम आपको बता दें कि अंतिम सूची के

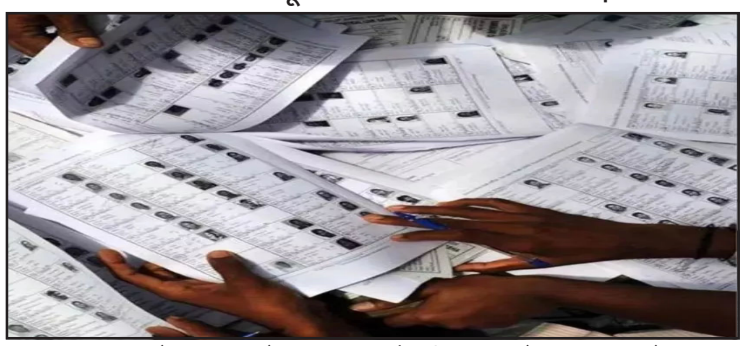

अनुसार राज्य में सात करोड़ तीस लाख इकहत्तर हजार इकसठ पुरुष मतदाता, छह करोड़ नौ लाख नौ हजार पांच सौ पच्चीस महिला मतदाता और चार हजार दो सौ छह तृतीय लिंग मतदाता हैं। अठारह से उन्नीस वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या सत्रह लाख तिरसठ हजार तीन सौ साठ है। एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि प्रारूप और अंतिम सूची के बीच कुल चौरासी लाख अट्ठाईस हजार सात सौ सड़सठ मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि दर्ज की गई। इसमें बयालीस लाख से अधिक पुरुष और लगभग इतने ही महिला मतदाता शामिल हैं। इससे लिंग अनुपात में भी सुधार हुआ है, जो आठ सौ चौबीस से बढ़कर आठ सौ चौंतीस हो गया है। जिलों में मतदाता वृद्धि के मामले में प्रयागराज सबसे आगे रहा, जहां तीन लाख उनतीस हजार से अधिक नए मतदाता जुड़े। इसके बाद लखनऊ, बरेली, गाजियाबाद और जौनपुर प्रमुख रहे। विधानसभा क्षेत्रों में साहिबाबाद, जौनपुर, लखनऊ पश्चिम, लोनी और फिरोजाबाद में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। हम आपको यह भी बता दें कि देश के अन्य राज्यों की तुलना में उत्तर प्रदेश मतदाता विलोपन प्रतिशत के मामले में दूसरे स्थान पर रहा, जहां यह आंकड़ा तेरह दशमलव चौबीस प्रतिशत रहा। इससे आगे गुजरात रहा, जबकि अन्य राज्यों में यह प्रतिशत अपेक्षोंत कम रहा। तीसरे पक्ष द्वारा दिए गए आवेदनों के आधार पर एक लाख बीस हजार से अधिक नाम हटाए गए। इनमें अधिकतर मामले मृत्यु, स्थायी स्थान परिवर्तन या अन्यत्र पंजीकरण से जुड़े थे। इस पूरी प्रक्रिया में राजनीतिक दलों की भी सक्रिय भागीदारी रही। पांच प्रमुख बैठकों के अलावा नौ सौ चार बैठकों का आयोजन जिला स्तर पर किया गया। पांच लाख से अधिक बूथ स्तरीय एजेंटों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया। इसके अतिरिक्त हजारों अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग से यह विशाल अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रकार उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची का यह पुनरीक्षण न केवल प्रशासनिक ष्टि से महत्वपूर्ण रहा बल्कि इससे चुनावी पारदर्शिता और सटीकता को भी नई दिशा मिली है।राजनीति लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि इससे उत्तर प्रदेश की राजनीति पर क्या असर पड़ेगा? हम आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची ने राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है। नई सूची में खासकर शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है, जिससे सत्तारुढ़ दल भाजपा की चिंता बढ़ सकती है। लखनऊ, मेरठ, नोएडा, गाजियाबाद और कानपुर जैसे प्रमुख शहरों में अक्तूबर २०२५ की तुलना में लगभग १६ से २३ प्रतिशत तक मतदाता घटे हैं। ये वही क्षेत्र हैं जहां पिछले चुनावों में भाजपा का मजबूत प्रभाव रहा है। विधानसभा स्तर पर भी साहिबाबाद, नोएडा, लखनऊ उत्तर और आगरा कैंट जैसी सीटों पर बड़ी संख्या में मतदाता कम हुए हैं। आंकड़ों के अनुसार जिन सीटों पर एक लाख से अधिक वोट घटे हैं, उनमें अधिकांश पर भाजपा का कब्जा है। इसके विपरीत, मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में गिरावट अपेक्षाकृत कम रही, जहां लगभग ६ से १४ प्रतिशत तक ही कमी दर्ज की गई।

# परिवार सबसे बड़ी पूंजी, मिल-बैठकर घर में ही मामले सुलझा लें: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि परिवार सबसे बड़ी पूंजी होती है और पारिवारिक मामले मिल–बैठकर घर में ही सुलझा लें। मुख्यमंत्री ने सोमवार को 'जनता दर्शन' के दौरान यह बात कही। मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में आए प्रत्येक नागरिक से स्वयं मुलाकात की,उनकी शिकायतें सुनीं और समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए अफसरों को निर्देश दिए। एक बयान के मुताबिक इस दौरान कई शिकायतें पारिवारिक विवाद से जुड़ी आईं जिस पर मुख्यमंत्री ने सभी को समझाया। मुख्यमंत्री ने कहा, श्परिवार सबसे बड़ी पूंजी है। समझदारी से पारिवारिक मामले मिल–बैठकर सुलझाएं। विश्वास करिए, बिखरने के बजाय परिवार एकजुट हो जाएगा और वर्तमान के साथ भावी पीढ़ी भी एक रहेगी।'' मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने पारिवारिक विवादों से जुड़ी सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना। फिर शिकायत लेकर आए लोगों ने मुख्यमंत्री ने कहा, श्परिवारिक झगड़ों में पुलिस–प्रशासन की सहायता लेना अंतिम विकल्प ही होना चाहिए। हमारे समाज में परिवार से बड़ी कोई पूंजी नहीं होती। यही हमारी सबसे बड़ी

ताकत भी है। श्रेयस्कर यही है कि घर के मामले घर में ही सुलझाए जाएं।'' उन्होंने कहा कि गलती परिवार के किसी भी सदस्य से हो सकती है, लेकिन थोड़ा समझदारी से काम लेंगे तो परिवार बिखरने से बच जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवार में थोड़ा झुकने से सम्मान कम नहीं होता, इसलिए परिवार रूपी पूंजी को हर हाल में संभाल कर रखें। उन्होंने कहा कि यदि किन्हीं कारणों से विवाद हल नहीं होता है तो अंतिम विकल्प के रूप में शासन, प्रशासन या पुलिस की सहायता लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान तत्परता व संवेदनशीलता के साथ किया जाए और इस मामले में शिथिलता या लापरवाही अक्षम्य है। उन्होंने कहा कि हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी के भी साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों और कमजोरों को उजाड़ने वालों को किसी भी सूरत में ना बख्शा जाए और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

# अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ एक्शन में पुलिस, 2 'सोशल मीडिया हैंडल' पर मुकदमा दर्ज

लखनऊ। नोएडा में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर मजदूरों के हिंसक प्रदर्शन के बीच इस मामले को लेकर अफवाहें फैलाने के आरोप में दो श्सोशल मीडिया हैंडलश के खिलाफ मुकदमे की कार्यवाही शुरू की गयी है। पुलिस के बयान में कहा गया,श्श्गलत और भ्रामक जानकारी फैलाने वालों और लोगों को भड़काने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।'' पुलिस ने बताया कि इस मामले में अफवाह फैलाने के आरोप में श्एक्सश के दो हैंडल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गयी है। पुलिस ने कहा कि नोएडा में कथित रूप से बाहरी तत्वों द्वारा भड़काये जाने पर कई स्थानों पर प्रदर्शन और एक जगह पर हिंसा हुई, जिसे न्यूनतम बल का उपयोग करके काबू में कर लिया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस घटना के दौरान कोई गोलीबारी नहीं की गई है और जनता से आग्रह किया कि वे गलत जानकारी न फैलाएं। पुलिस का यह बयान नोएडा में कई स्थानों पर वेतन वृद्धि की मांग को लेकर श्रमिकों द्वारा शुरू

किये गये हिंसक आंदोलन के बीच आया है। पुलिस ने जनता से एक बार फिर अपील की कि वे बिना पुष्टि वाली जानकारी साझा करने से बचें और शांति बनाए रखे। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव ंष्ण ने सोमवार को कहा कि पुलिस नोएडा में श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काने वाले तत्वों की पहचान करके उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी।

# उत्तर प्रदेश में एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी, मतदाताओं की संख्या में ८४ लाख का बड़ा इजाफा

लखनऊ। शुक्रवार को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के अनुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के पूरा होने के बाद उत्तर प्रदेश के मतदाताओं की संख्या में ८४ लाख से अधिक की वृद्धि हुई है और यह संख्या बढ़कर १३.३६ करोड़ हो गई है। लोक भवन मीडिया सेंटर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा ने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया २७ अक्टूबर, २०२५ से १० अप्रैल, २०२६ तक राज्य के सभी ७५ जिलों, ४०३ विधानसभा क्षेत्रों और मतदान केंद्रों को कवर करते हुए संचालित की गई थी। उन्होंने बताया कि १६६ दिनों तक चलने वाली इस प्रक्रिया में ७५ जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ), ४०३ मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ), १२,७५८ सहायक ईआरओ, १८,०२६ बीएलओ पर्यवेक्षकों और १,७७,५१६ बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) का योगदान रहा। इसके अतिरिक्त, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के ५,८२,८७७ बूथ स्तरीय एजेंटों और करोड़ों मतदाताओं ने सहयोग प्रदान किया। रिणवा ने कहा कि छह जनवरी, २०२६ को प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची में कुल १२,५५,५६,०२५ मतदाता थे, जिनमें ६.८८ करोड़ पुरुष मतदाता, ५.६७ करोड़ महिला मतदाता और ४,११६ तृतीय लिंग के मतदाता शामिल थे। १८–१६ वर्ष के आयु वर्ग में मतदाताओं की संख्या ३,३३,६८१ थी, जबकि लिंगानुपात के लिहाज से प्रति १,००० पुरुष मतदाताओं पर महिला मतदाता की संख्या ८२४ थी। उन्होंने कहा कि १० अप्रैल, २०२६ को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में मतदाताओं की कुल संख्या १३,३६,८४,७६२ है। इनमें से पुरुष मतदाताओं की संख्या ७,३०,७१,०७१ (लगभग ५४ प्रतिशत), महिला मतदाताओं की संख्या ६,०६,०६,५२५ (४५.४६ प्रतिशत) और तीसरे लिंग के मतदाताओं की संख्या ४,२०६ (०.०१ प्रतिशत से कम) है। रिणवा ने कहा कि १८–१६ वर्ष के आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या बढ़कर १७,६३,३६० हो गई है, जो कुल मतदाताओं का १.३२ प्रतिशत है। लिंग अनुपात में भी सुधार हुआ है और प्रति १,००० पुरुष मतदाताओं पर ८३४ महिला मतदाता हैं। मसौदा और अंतिम मतदाता सूचियों की तुलना करते हुए रिणवा ने बताया कि मतदाताओं की संख्या में ८४,२८,७६७ की वृद्धि हुई है। इसमें ४२,२७,६०२ पुरुष मतदाता, ४२,००,७७८ महिला मतदाता और ८७ मतदाता तृतीय लिंग के हैं। रिणवा के अनुसार, १८–१६ वर्ष के आयु वर्ग में १४,२६,३७६ मतदाताओं की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि लिंगानुपात १० अंक सुधरकर ८२४ से ८३४ हो गया। उन्होंने आगे कहा कि जिलों में, प्रयागराज में मतदाताओं में सबसे अधिक ३,२६,४२१ की वृद्धि दर्ज की गई, इसके बाद लखनऊ (२,८५,६६१), बरेली (२,५७,००० से अधिक), गाजियाबाद (२,४३,६६६) और जौनपुर (२,३७,५६०) हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि पुनरीक्षण प्रक्रिया का सफल समापन राज्यभर में चुनाव अधिकारियों, राजनीतिक दलों और मतदाताओं के समन्वित प्रयासों को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र स्तर पर, गाजियाबाद के साहिबाबाद में सबसे अधिक ८२,८६८ मतदाताओं की वृद्धि दर्ज की गई, इसके बाद जौनपुर (विधानसभा क्षेत्र संख्या ३६६) में ५६,११८ मतदाता बढ़े। लखनऊ पश्चिम में ५४,८२२ मतदाताओं की वृद्धि देखी गई, गाजियाबाद के लोनी में ५३,६७६ मतदाता बढ़े और फिरोजाबाद विधानसभा क्षेत्र में ४७,७५७ मतदाताओं की वृद्धि दर्ज की गई। रिणवा ने कहा कि संशोधन प्रक्रिया के दौरान, लगभग १.०४ करोड़ मतदाताओं की पहचान मिलान न कराने वाले 'नॉन–मैप्ड' के रूप में की गई, जबकि २.२२ करोड़ मामलों में तार्किक विसंगतियां शामिल थीं। १४ जनवरी, २०२६ से नोटिस जारी किए गए, २१ जनवरी से सुनवाई निर्धारित की गई और सभी नोटिस तैयार और वितरित किए गए। सुनवाई २७ मार्च, २०२६ तक पूरी हो गई उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान किसी भी मतदाता का नाम उचित प्रक्रिया के बिना नहीं हटाया जाएगा।

# बक्शी का तालाब में 'स्कूल चलो अभियान' को रफ्तार, बगहा न्याय पंचायत में नामांकन रथ से जागरूकता अभियान तेज

लखनऊ। विकासखंड बक्शी का तालाब में नवीन शैक्षिक सत्र २०२६–२७ के तहत 'स्कूल चलो अभियान' को गति देते हुए नामांकन रथ को न्याय पंचायत बगहा के लिए रवाना किया गया। इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों का शत–प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना है। खंड शिक्षा अधिकारी रामराज ने बगहा न्याय पंचायत के शिक्षकों को संबोधित करते हुए शत– प्रतिशत नामांकन का लक्ष्य हासिल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कोई भी

बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। नामांकन रथ को अनुराग सिंह राठौड़, एआरपी कुमकुम तिवारी, अनुपम कुमार गुप्ता और आनंद कुमार यादव द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली के दौरान शिक्षकों और अभिभावकों ने बढ़–चढ़कर भागीदारी की और शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। रैली ग्राम सभा इकराडिया कला, लासा, दुधरा, यमखनवा, बगहा, करौदी, सूरजपुर गढ़ा और बाहर गांव से होकर गुजरी तथा अंत में एक संगोष्ठी के साथ संपन्न हुई। इस दौरान ग्रामीणों को सरकारी विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं और योजनाओं की जानकारी दी गई। पूर्व एआरपी अनुराग सिंह राठौड़ ने कहा कि "आधी रोटी खाएंगे, स्कूल जरूर जाएंगे" जैसे पुराने नारों के साथ अब "प्रतिदिन पका–पकाया पौष्टिक आहार खाएंगे, सेहत बनाएंगे और पीएम पोषण योजना का लाभ उठाएंगे" का संदेश भी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है और इसी सोच के साथ हर बच्चे को स्कूल से जोड़ने का अभियान चलाया जा रहा है। इस नामांकन रैली में रश्मि गुप्ता, देवसूदन सिंह, नीलम प्रकाश, मनोज कनौजिया, रितु निगम, नवजात फातिमा, रीमा सिंह, दीप्ति, विनय चौधरी, विजय भान, लक्ष्मी श्रद्धा, निशा सिंह सहित अनेक शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे। इसके अलावा अर्चना अवस्थी, डॉ. सफीन, ममता, संजीव श्रीवास्तव, मीनाक्षी, अखिल, संजय कुमार, वीणा वर्मा, अलका, कल्पना तिवारी और इंदुबाला सहित न्याय पंचायत के सभी शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशक भी अभियान में सक्रिय रूप से शामिल रहे।

# नोएडा में बवाल के बाद एक्शन में योगी सरकार, जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन

लखनऊ। नोएडा में वेतन संशोधन की लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर श्रमिकों के चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच, उत्तर प्रदेश सरकार ने गौतम बुद्ध नगर जिले में बढ़ते औद्योगिक अशांति को दूर करने के लिए सोमवार को एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया। यह कदम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद उठाया गया है। राज्य श्रम विभाग श्रमिकों के हितों की रक्षा और सामान्य स्थिति बहाल करने के उद्देश्य से कदम उठा रहा है, जिसका लक्ष्य सभी संबंधित हितधारकों के साथ प्रभावी संवाद के माध्यम से औद्योगिक सद्भाव और सार्वजनिक व्यवस्था सुनिश्चित करना है। प्रशासन के अनुसार, इस समिति का गठन सभी हितधारकों से परामर्श करने और श्रमिकों की शिकायतों के समाधान की दिशा में काम करने के लिए किया गया है, विशेष रूप से हाल के प्रदर्शनों के मद्देनजर। इस समिति की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास आयुक्त करेंगे। अतिरिक्त मुख्य सचिव (एमएसएमई) और प्रधान सचिव (श्रम एवं रोजगार) को समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है,

जबकि कानपुर से मनोनीत एक अधिकारी सदस्य सचिव के रूप में कार्य करेंगे। समिति में श्रमिक संघों के पांच प्रतिनिधि और औद्योगिक संघों के तीन प्रतिनिधि भी शामिल हैं। उच्च स्तरीय समिति गौतम बुद्ध नगर जिले में पहुंच चुकी है और प्राथमिकता के आधार पर मुद्दों की जांच करने के बाद जल्द ही सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के बड़ी संख्या में श्रमिक वेतन वृद्धि की अपनी लंबे समय से लंबित मांग को लेकर सुबह इकट्ठा हुए और विरोध प्रदर्शन के दौरान नारे लगाए। नोएडा के फेज २ और सेक्टर ६० इलाकों में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर कारखाने के श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए, जिसके चलते वाहनों में आग लगाई गई, संपत्ति में तोड़फोड़ की गई और पत्थरबाजी की घटनाएं भी हुईं। सेक्टर ८४ से भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन की खबरें आईं, जिनमें मदरसन ग्रुप की एक यूनिट भी शामिल है। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग ९ को भी अवरुद्ध कर दिया, जिससे यातायात बाधित हुआ। इस अशांति के कारण यातायात ठप हो गया, जिससे सुबह के व्यस्त समय में दिल्ली जाने वाली सड़कों पर हजारों यात्री फंस गए। दिल्ली–नोएडा सीमा पर कई किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं।

# यमुना नदी में नाव पलटने से मचा कोहराम, ९ श्रद्धालुओं की मौत, कई लापता

मथुरा। वृंदावन में यमुना नदी में एक नाव पलटने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग लापता हो गए। यह घटना वृंदावन कोतवाली पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई। नाव में लगभग २५ लोग सवार थे। श्रृंगार घाट के पास हुई इस दुर्घटना में कई लोगों के डूबने की आशंका है। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और गोताखोरों की सहायता से राहत एवं बचाव अभियान जारी है। दुर्घटनास्थल पर गोताखोर और स्थानीय पुलिस मौजूद हैं। इस दुर्घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। यह घटना श्रृंगार घाट के पास घटी, जहां स्टीमर अचानक अपना संतुलन खो बैठा और नदी में पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह हादसा इतनी अचानक हुआ कि लोगों को संभलने या खुद को बचाने का मौका भी नहीं मिला। हादसे के बाद चारों ओर चीख–पुकार मच गई, क्योंकि नदी में गिरे लोग अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष करते नजर आए। स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े और कई लोगों को पानी से बाहर निकालने की कोशिश की। जिला मजिस्ट्रेट सीपी सिंह के अनुसार, इस हादसे में अब तक नौ लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कई अन्य लापता बताए जा रहे हैं। वृंदावन के श्रृंगार घाट के पास बचाव अभियान बिना किसी रुकावट के जारी है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और स्थानीय गोताखोरों की टीमें तलाशी अभियान चलाने के लिए पानी में उतर चुकी हैं। प्रशासन ने कहा है कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक सभी लापता व्यक्तियों को बचा नहीं लिया जाता।

दुर्घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा है, जहां परिवार के सदस्य अपने प्रियजनों के बारे में खबर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि केशी घाट के पास यमुना नदी के एक हिस्से में नाव डूब गई है... अब तक २२ लोगों को पानी से बचाया जा चुका है। बचाए गए लोगों को एम्बुलेंस और आठ पुलिस वाहन (पीआरवी) की मदद से तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। हम फिलहाल स्थिति का जायजा ले रहे हैं ताकि पता चल सके कि कितने लोग सुरक्षित हैं और कितने लोगों की जान गई है... यहां एक पोंटून पुल है। चूंकि यह पुल जर्जर हालत में था, इसलिए एक एजेंसी पोंटूनों की मरम्मत का काम कर रही थी। आशंका है कि यह दुर्घटना इसी मरम्मत कार्य के दौरान हुई होगी।

# ऐतिहासिक मंच पर कपिल बाबरा ग्रुप की झांकी का हुआ आयोजन

गोला गोकर्णनाथ खीरी। छोटी काशी में ऐतिहासिक मेला चौती सांस्कृतिक मंच पर कपिल बाबरा ग्रुप उत्तराखण्ड के मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष अरविन्द गुप्ता,कार्यक्रम अध्यक्ष आचार्य सुनील कौशल महराज संरक्षक वृन्दावन धाम विशिष्ट अतिथि डाक्ट राजेन्द्र सिंह पुण्डीर पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री ,पूर्व चेयरमैन एलडीवी बैंक सुर्जन लाल वर्मा, जिला महामंत्री एड राजेश सिंह ,जिला महामंत्री मनोज वर्मा, जिला मंत्री गणेश शंकर गौतम, जिला मंत्री शरद मिश्रा ,पूर्व जिला उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह सोमू, पूर्व जिला उपाध्यक्ष विनोद वर्मा, कुम्भी मण्डल अध्यक्ष सच्चिदानन्द शुक्ला, मैदानी मण्डल अध्यक्ष संजीव वर्मा, बिजुआ मण्डल अध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह,नगर उपाध्यक्ष लखीमपुर समीक्षा गुप्ता, वरिष्ठ नेता अशोक सक्सेना, एसआरएम इंटरनेशन एकेडमी रैनखेड़ा एमडी अरविन्द पाल ,गौ सेवक विनीत सिंह भदौरिया ,डाक्ट वी वी धुरिया एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कपिल बाबरा ग्रुप की झांकियों का शुभारंभ द्वीप प्रज्वलित कर किया।इसके बाद अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर पुष्प मालाओं से स्वागत करते हुए सहयोग के लिये आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष अरविन्द गुप्ता ने कहा,

**१४ अप्रैल २०२६ को चौती मेला के सांस्कृतिक मंच पर जबाबी कव्वाली टीना परवीन व तस्लीम आरिफ द्वारा सायं सात बजे से।**

'पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू बहुत ही परिश्रमी है इन्होने मेला चौती को बहुत ही सुंदर सजाया है, कार्यक्रम अध्यक्ष आचार्य सुनील कौशल महराज संरक्षक वृन्दावन धाम ने आशीर्वचन देते हुए कहा, 'हिन्दू धर्म, संस्कार और संस्कृति को संरक्षित करने का काम ऐसे मेलों से होता है, विशिष्ट अतिथि डा० राजेन्द्र सिंह पुण्डीर पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री ने कहा, 'नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू कला और संस्कृति को प्रोत्साहित करते रहते है ।मै ऐतिहासिक मेला चौती को भव्यता देने के लिए बधाई देता हूँ, उत्तराखंड के कपिल बाबरा ग्रुप के कलाकारों शानू जान, ललित जोशी, सौरभ लालजी, दिव्या नेगी, सुहानी चोधरी, दीक्षा जोशी ने कार्यक्रम की शुरुआत भगवान गणेश वंदना से की। जय देव जय देव, कृपा करो कृपा करो कृपा करो, पर कलाकारों ने नृत्य किया। कलाकारों ने भगवान तिरुपति बालाजी महाराज की लीला का दर्शन कराया। अल्मोड़ा के अनिल तूफानी ने भगवान नारायण की महाआरती की गई। जिसमें –,गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो, रिकार्डिंग धुन पर तीन दीपकों को हाथों और सिर पर रखकर नृत्य करते हुए औलोकिक छटा बिखेरी, जिसे देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। उत्तराखंड रामनगर के नेकू, रिषभ भारद्वाज, द्वारा भगवान रामलला की झांकी दिखाई गई। उत्तराखंड की दिव्या टीम में दीक्षा, सानूजान, सौरभ महाकाल, नकुल चौरसिया, सुहानी ने सुनाया, इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष विनोद स्वर्णकार,नगर महामंत्री राजेश राठौर, धीरज बाजपेई, रमेश वर्मा मण्डल उपाध्यक्ष बिजुआ, मण्डल महामंत्री कुम्भी राम नाथ राठौर , नगर मंत्री नामित सभासद एसपी चौहान,नगर मंत्री कैलाश गुप्ता, राजेश जोशी ,पूर्व युवा मोर्चा अध्यक्ष विजय मिश्रा, नगर उपाध्यक्ष विनोद कुमार वर्मा एड, नगर कोषाध्यक्ष एड सुमित शाह, प्रवीण गुप्ता, डाक्ट आदर्श दीक्षित, काशी सिंह, सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

# संकटहरण पंचमुखी हनुमान मंदिर का मना १९वां स्थापना दिवस सुन्दरकाण्ड पाठ के संग गूंजेभजन, चला भण्डारा

लखनऊ। बीरबल साहनी मार्ग पुराना हैदराबाद स्थित श्रीसंकटहरण पंचमुखी हनुमान मंदिर का १९वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। हनुमान मंदिर ट्रस्ट के आरपी शर्मा ने बताया कि प्रातः मंदिर खुलने के साथ ही हनुमानजी को अष्टगंध से स्नान कराके नवीन श्रृंगार किया गया तत्पश्चात पं.दिनेश दीक्षित, आचार्य पवन मिश्रा, सुधांशु शुक्ल, प्रमोद कुमार और पं.दिनेश कुमार मिश्र ने सम्मिलित रूप से हनुमान जी का सहस्रार्चन से पूजन किया। हवन पूजन के साथ प्रभु को बूंदी–कचौड़ी का भोग लगाकर भण्डारा प्रारम्भ हुआ। रात तक चले भण्डारे में सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। संध्याकाल सत्र पुलिस लाइन से आए हनुमत भक्तों की अगुवाई में संगीतमय सामूहिक सुन्दरकाण्ड पाठ हुआ। भजन संध्या में विनीता सिंह, रौशनलाल, सुभाष अरोड़ा आदि ने मधुर भजन प्रस्तुत किये। इस अवसर पर अजय मेहरोत्रा, एसडी सावंत, चौतन्य अग्निहोत्री, बीके सक्सेना, सिद्धार्थ अग्रवाल, ज्योति किरन रतन, पं. जितेंद्र दीक्षित, महेन्द्र, हेमन्त कुमार चतुर्वेदी, ब्रजेश कुमार, पवन शर्मा, कल्पना अग्रवाल, राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, अभय आदि भक्तों की उपस्थिति रही।

# पवन खेड़ा के समर्थन में उतरे राहुल गांधी, कहा- हिमंता देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री, हम डरेंगे नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ३१ जनवरी, २०२६ को कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान शर्मा पर कई पासपोर्ट रखने के आरोपों के बीच पार्टी अपने नेता पवन खेड़ा का समर्थन करती है। X पर एक पोस्ट में गांधी ने हिमंता बिस्वा सरमा को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया और कांग्रेस के आरोपों की जांच की मांग की। उन्होंने लिखा कि असम के वर्तमान मुख्यमंत्री देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं। वे कानून से नहीं बचेंगे। अपने राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों को परेशान करने के लिए सत्ता का दुरुपयोग करना संविधान के खिलाफ है। उठाए जा रहे सवालों की जांच होनी चाहिए। पारदर्शिता, सत्ता की जवाबदेही और कानून का शासन हमारे संवैधानिक मूल्यों का आधार हैं। कांग्रेस पार्टी पवन खेड़ा के साथ खड़ी है। हम डरेंगे नहीं। ये टिप्पणियां असम पुलिस द्वारा तेलंगाना उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने के बाद आईं, जिसमें पवन खेड़ा को १० अप्रैल से एक सप्ताह के लिए कुछ शर्तों के साथ पारगमन जमानत दी गई थी। जमानत आदेश के

अनुसार, खेड़ा को उचित कानूनी राहत पाने के लिए असम की सक्षम न्यायालय में जाना होगा। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि रिनिकी भुयान शर्मा के पास तीन पासपोर्ट हैं और मुख्यमंत्री के परिवार, जिनमें उनका बेटा भी शामिल है, का अमेरिका में ५२,००० करोड़ रुपये का कारोबार है। असम की मुख्यमंत्री ने इन दावों का खंडन किया। इन आरोपों के बाद, रिनिकी भुयान शर्मा ने खेड़ा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई और असम पुलिस ने उनके आवास पर तलाशी ली। १० अप्रैल को असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की आलोचना करते हुए उनकी प्रतिक्रिया को घबराहट और हताशा बताया। एएनआई से बात करते हुए गोगोई ने कहा कि मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पूरी तरह से घबरा गए हैं। वे दहशत में हैं। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि खबरें इतनी वायरल हो जाएंगी। इसलिए, पिछले ५–६ दिनों से वे सचमुच अपने बाल नोच रहे हैं। उनकी हताशा उनके शब्दों, कार्यों और चेहरे पर साफ झलकती है। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि सिर्फ चिल्लाने से सच झूठ नहीं बन जाताय सिर्फ यह दिखाने से कि आपके पास जांच करने की शक्ति है, तथ्य काल्पनिक नहीं हो जाता।

# चुनावी रंग में अंधे नहीं हो सकते, पश्चिम बंगाल मतदाता सूची मामले पर सुप्रीम कोट की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चिंता जताई और कहा कि मतदाताओं को मतदाता सूचियों में बने रहने का निरंतर अधिकार है और चुनाव कराने के दबाव में इस प्रक्रिया को विंत नहीं किया जाना चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ मतदाताओं द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिनकी मतदाता सूचियों से नाम हटाए जाने के खिलाफ अपीलें अपीलीय न्यायाधिकरणों में लंबित हैं। याचिकाकर्ताओं ने मतदाता सूचियों को फ्रीज करने की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग की है और तर्क दिया है कि यदि उनकी अपीलें सफल होती हैं तो उन्हें आगामी विधानसभा चुनावों में मतदान करने की अनुमति दी जानी चाहिए। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के अनुसार, मतदाता सूची को ६ अप्रैल से फ्रीज कर दिया गया है। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि इन मतदाताओं के अधिकार स्थायी रूप से नहीं छिनेंगे, लेकिन क्या वे इस चुनाव में मतदान कर सकेंगे, यह अभी भी विचाराधीन है। इस

बीच, अदालत मालदा घटना से संबंधित एनआईए की जांच के मामले की भी सुनवाई करेगी, जहां एसआईआर न्यायनिर्णय में लगे न्यायाधीशों को घेरा गया था और धमकाया गया था। अदालत के सूत्रों के अनुसार, कल पूर्व न्यायाधीशों ने कोलकाता के जोका स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी संस्थान का दौरा किया, जहां न्यायाधिकरण की बैठक होगी। १६ बेंचों में से अधिकांश आज से अपना काम शुरू कर रही हैं।

# कश्मीर में शिक्षा के नाम पर चल रही थी बड़ी साजिश! खुफिया रिपोर्ट के बाद तीन विश्वविद्यालयों ने लिया बड़ा एक्शन

नई दिल्ली। कश्मीर में शिक्षा के नाम पर चल रहे संदिग्ध गठजोड़ पर आखिरकार बड़ी चोट पड़ी है। श्रीनगर से आई ताजा खबर ने न केवल अकादमिक जगत को झकझोर दिया है बल्कि सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता और विश्वविद्यालयों की सतर्कता को भी साफ तौर पर उजागर कर दिया है। हम आपको बता दें कि कश्मीर के तीन प्रमुख विश्वविद्यालयों ने अमेरिका स्थित एक गैर सरकारी संगठन के साथ अपने शैक्षणिक समझौते को अचानक समाप्त कर दिया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब खुफिया एजेंसियों की ओर से इस संगठन की गतिविधियों पर गंभीर सवाल खड़े किए गए थे। कश्मीर विश्वविद्यालय, इस्लामिक यूनिवर्सिटी आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी (IUST) और शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चरल साइंस एंड टेक्नोलाजी (SKUAST&K) ने एक साथ मिलकर यह बड़ा कदम उठाया। इन तीनों संस्थानों ने अमेरिका के अटलांटा स्थित कश्मीर केयर फाउंडेशन के साथ किए गए समझौते को खत्म करने का आदेश जारी कर दिया। कश्मीर विश्वविद्यालय और एसकेयूएएसटी ने पच्चीस मार्च को यह निर्णय लिया, जबकि आईयूएसटी ने अगले ही दिन इस समझौते को रद्द कर दिया। इस पूरे घटनाक्रम ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल उठ रहा है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि शिक्षा और अनुसंधान के नाम पर किया गया यह समझौता अचानक संस्थानों के हितों के खिलाफ नजर आने लगा? विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि इस समझौते का उद्देश्य विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग, गणित और मानविकी जैसे क्षेत्रों में कार्यशालाओं, सेमिनार और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देना था। लेकिन

अंदरूनी समीक्षा और खुफिया रिपोर्ट्स के बाद तस्वीर पूरी तरह बदल गई। कश्मीर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार नसीर इकबाल ने साफ शब्दों में कहा कि सक्षम प्राधिकरण द्वारा समीक्षा के बाद यह तय किया गया कि इस समझौते को जारी रखना विश्वविद्यालय के व्यापक हित में नहीं है। यह बयान अपने आप में बहुत कुछ कह देता है। हालांकि प्रशासन ने खुलकर उन कारणों का खुलासा नहीं किया, लेकिन सूत्रों के मुताबिक खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट में कुछ ऐसी गतिविधियों का जिक्र था जो संवेदनशील मानी जा सकती थीं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे समझौते के दौरान न तो किसी प्रकार का धन का लेनदेन हुआ और न ही कोई वित्तीय देनदारी बनी। इसका मतलब साफ है कि मामला केवल पैसे का नहीं बल्कि कहीं अधिक गंभीर पहलुओं से जुड़ा हुआ है, जैसे डेटा साझा करना, शोध की दिशा और विदेशी प्रभाव। कश्मीर के शैक्षणिक संस्थानों द्वारा उठाया गया यह कदम एक बड़े बदलाव का संकेत देता है। अब विदेशी संस्थाओं के साथ सहयोग को लेकर पहले से कहीं ज्यादा सतर्कता बरती जा रही है। खासकर उन क्षेत्रों में जहां तकनीक, अनुसंधान और डेटा जैसे संवेदनशील विषय शामिल हों। हम आपको बता दें कि इस पूरे मामले में कश्मीर केयर फाउंडेशन की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। यह संगठन अमेरिका में रहने वाले एक कश्मीरी मूल के व्यक्ति अल्ताफ केएल लाल द्वारा संचालित बताया जाता है। भले ही संगठन का दावा शिक्षा को बढ़ावा देने का हो, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों की नजर में इसके कुछ पहलू संदिग्ध पाए गए। बहरहाल, यह घटना केवल एक समझौते के खत्म होने की कहानी नहीं है, बल्कि यह एक चेतावनी है कि शिक्षा के नाम पर होने वाले हर अंतरराष्ट्रीय सहयोग की गहराई से जांच जरूरी है। कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में तो यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। अब सवाल यह है कि क्या अन्य संस्थान भी ऐसे समझौतों की समीक्षा करेंगे? क्या यह कदम एक बड़े अभियान की शुरुआत है। फिलहाल इतना तय है कि कश्मीर में शिक्षा और सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की दिशा में एक सख्त और निर्णायक कदम उठाया जा चुका है।

# श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई डॉक्टर अंबेडकर जयंती

लखीमपुर खीरी। विद्याभारती विद्यालय स.ध.स.शिशु वाटिकाध मंदिर– मिश्राना, लखीमपुर में आज सोमवार को संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पूर्ण श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाई गईं। मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन, पुष्पार्चन एवं वंदना के उपरांत विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती हीरा सिंह ने आज के कार्यक्रम की प्रस्ताविकी सभी के समक्ष रखी।इस अवसर पर प्रथम सहायक आचार्य ज्ञानेंद्र कुमार बाजपेई ने बताया कि डॉक्टर अंबेडकर का जन्म १४ अप्रैल को हुआ था परंतु उक्त तिथि को अवकाश होने के कारण उनकी जयंती हम वंदना

सभा में आज मना रहे हैं। डा० अम्बेडकर भारतीय संविधान के निर्माता थे। भारत का संविधान २ वर्ष ११ मास १८ दिन में बनकर तैयार हुआ था तथा इसे बनाने में लगभग ६४ लाख रुपए खर्च हुए थे। शिशुभारती प्रमुख आचार्य विजय शंकर ने बताया कि देश की आजादी के उपरांत अपने देश का शासन चलाने हेतु संविधान की आवश्यकता हुई इस हेतु प्रमुख रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, आयरलैंड, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, रूस, फ्रांस दक्षिण अफ्रीका और जापान देश के संवैधानिक प्रावधानों से प्रेरणा ली गई। वरिष्ठ आचार्य मनोज दीक्षित ने बताया कि उक्त देश के संविधानों को पढ़कर उसमें से अपने देश के लिए आवश्यक नियमों व कानूनों को लिखकर भारतीय संविधान की रचना हुई। गरिमा आचार्या ने बताया कि बाबा साहेब का जन्म १४ अप्रैल १८९१को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। आपके पिता का नाम राम जी मालोजी सकपाल और माता का नाम भीमाबाई था। देश के आजाद होने पर आपको पंडित जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल में विधि मंत्री का दायित्व दिया गया। शिशु वाटिका कार्यक्रम की संयोजिका ने अपने विचार व्यक्त करते हुयें बताया कि भारतीय संविधान में हम भारतीय नागरिकों के लिए ११ मूल कर्तव्यो एवं ६ मौलिक अधिकारों का उल्लेख है। इस अवसर पर सरस्वती शिशु वाटिका मंदिर का समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा। विजय शंकर जी ने आज के सभी वक्ताओं के प्रति आभार ज्ञापित किया।

# पीएम मोदी कल करेंगे दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस–वे का उद्घाटन, सीएम योगी ने लिया तैयारियों का जायजा

सहारनपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को सहारनपुर में दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज उद्घाटन समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। सीएम योगी आज दोपहर मुजफ्फरनगर से सहारनपुर पहुंचे। उनका हेलीकाप्टर दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस–वे उद्घाटन स्थल मनोहरपुर के पास गणेशपुर में बने हेलीपैड पर उतरा। जहां एनएचएआई के अफसरों, कमिश्नर डा. रूपेश कुमार, डीएम मनीष बंसल, राज्यमंत्री जसवंत सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह राणा ने उनकी अगुवानी की। मुख्यमंत्री एक्सप्रेस–वे पर बनाए गए १२ किलोमीटर लंबे वाइल्ड लाइफ कोरीडोर से होते हुए डाट–काली मंदिर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने समारोह स्थल से लेकर प्रधानमंत्री के डाट–काली रूट के मार्ग का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री कल प्रातः गणेशपुर में बने हेलीपैड पर उतरेंगे और मुख्यमंत्री को साथ लेकर ऐलीवेटिड रोड पर कार से लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुए डाट–काली मंदिर पहुंचकर पूजा करेंगे और फिर देहरादून में जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद योगी आदित्यनाथ सहारनपुर के मनोहरपुर में भाजपा द्वारा आहूत रैली को भी संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री निरीक्षण कार्य पूरा करने के बाद आज शाम सहारनपुर सर्किट हाउस पहुंचे। जहां उन्होंने भाजपा के जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अफसरों के साथ मीटिंग की। मुख्यमंत्री का रात्रि विश्राम सर्किट हाउस में ही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल दोपहर दो बजे गणेशपुर हेलीपैड से सरसावा हवाई अड्डे पहुंचेंगे जहां

से वे लखनऊ के लिए रवाना होंगे। पुलिस प्रशासनिक अफसरों के मुताबिक आज आधी रात से दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस–वे यातायात के लिए प्रतिबंधित हो जाएगा। देहरादून आने–जाने के लिए रूट डाईवर्जन आज से ही लागू कर दिया गया है। कार्यक्रम स्थल की निगरानी ३६ ड्रोन कैमरों के जरिए की जाएगी। सुरक्षा के लिहाज से एसपीजी, पीएसी, पुलिस, अर्द्धसैनिक बल, आरएएफ, होमगार्ड और पीआरटी के जवान तैनात किए गए हैं। ऐलीवेटिड मार्ग पर बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रशासन ने प्रधानमंत्री के लिए बनाए गए हेलीपैड पर हेलीकाप्टर उतारकर रिहर्सल पूरी की। जिला प्रशासन ने प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक अभूतपूर्व बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए हैं। एक हफ्ते से जिलाधिकारी मनीष बंसल की टीम व्यवस्थाओं को चाकचौबंद करने में जुटी है। उधर, भाजपा नेताओं में राज्यमंत्री जसवंत सैनी, जिलाध्यक्ष अजीत सिंह राणा, बेहट के पूर्व विधायक नरेश सैनी, साहब सिंह पुंडीर आदि नेताओं ने मुख्यमंत्री की रैली को सफल बनाने के लिए आसपास के गांवों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। प्रधानमंत्री के कल १४ अप्रैल से २१२ किलोमीटर लंबे और छह लेन वाले दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस–वे पर वाहन फर्राटा मारना शुरू कर देंगे। दिल्ली से देहरादून का सफर अब घटकर आधा रह जाएगा और दिल्ली के यात्री ढाई–पौने तीन घंटे में सुगमता के साथ देहरादून पहुंच जाएंगे और इतनी ही समयावधि में देहरादून से वापसी भी कर सकेंगे। इस एक्सप्रेस–वे को बनने में तीन साल का वक्त लगा है। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास और पर्यटन को नई उड़ान और रफ्तार मिलेगी।

## SIR प्रक्रिया में हटाए गए बंगाल के मतदाताओं को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, अंतरिम वोटिंग अधिकार देने से किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची की सफाई प्रक्रिया के दौरान जिन व्यक्तियों के नाम हटा दिए गए थे, उन्हें अंतरिम मतदान अधिकार देने से इनकार कर दिया है। यह निर्णय उन लोगों पर लागू होता है जिनकी अपीलें अभी भी अपीलीय न्यायाधिकरणों में लंबित हैं। सुनवाई के दौरान, तृणमूल कांग्रेस के नेता कल्याण बनर्जी ने अदालत को बताया कि लगभग १६ लाख अपीलें दायर की गई हैं और उन्होंने अनुरोध किया कि इन व्यक्तियों को आगामी दो चरणों के चुनावों में मतदान करने की अनुमति दी जाए। हालांकि, अदालत इस तर्क से सहमत नहीं हुई। याचिका पर प्रतिक्रिया देते हुए, भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने अदालत का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि ऐसी अनुमति देना बिल्कुल असंभव है।

## टेट अनिवार्यता के विरोधमें अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ के तत्वाधान में शिक्षकों ने निकाला विशाल मशाल जुलूस

बाराबंकी। टेट अनिवार्यता के विरोध में सोमवार को अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ के तत्वाधान में शिक्षकों द्वारा एक विशाल मशाल जुलूस निकाला

गया। यह जुलूस जीआईसी. ऑडिटोरियम से प्रारंभ होकर लखपेड़ाबाग चौराहा होते हुए सरदार पटेल तिराहा तक पहुंचा। इसमें जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए सैकड़ों शिक्षक–शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय एवं प्रदेश सहसंयोजक अरुणेंद्र कुमार वर्मा 'मुन्ना' ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम का संयोजन उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बाराबंकी के जिलाध्यक्ष डॉ. राकेश सिंह, जूनियर हाई शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र वर्मा, यूटा जिला अध्यक्ष डॉ. आशुतोष, अटेवा के जिलाध्यक्ष एवं जिला संयोजक अमित वर्मा, टीएससीटी जिला संयोजक महेंद्र वर्मा तथा विशिष्ट बीटीसी शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष आनंद कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि टेट अनिवार्यता शिक्षकों के अधिकारों पर कुठाराघात है और इसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक शिक्षकों की मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। अंत में सभी शिक्षकों ने एकजुट होकर आंदोलन को और तेज करने का संकल्प लिया। मशाल जुलूस में शामिल शिक्षकों ने हाथों में मशाल लेकर अपनी मांगों के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की। इस दौरान उपस्थित प्रमुख शिक्षकों में ड . देवेंद्र द्विवेदी, उमानाथ मिश्रा, दिग्विजय पाण्डेय, देवेंद्र सिंह, कमलेश वर्मा, राघवेंद्र सुमन, अरुण कुमार वर्मा, राज कुँवर, संतोष शुक्ला, सुरेंद्र जायसवाल, शिव सागर सिंह, राजेश श्रीवास्तव, अनवारुल, सुनील त्रिपाठी, संजय श्रीवास्तव, रामानंद, सत्य प्रकाश तिवारी, जय कुमार, दिलीप तिवारी (जिला मीडिया प्रभारी), श्याम किशोर बाजपेई, अंकित जायसवाल, किरन विश्वकर्मा, रुद्र प्रताप पाण्डेय, आशुतोष मिश्रा, रामपाल, अपर्णा श्रीवास्तव, गुंजन वर्मा, विकास वर्मा, अनूप अवस्थी, हनुमंत अवस्थी, इमामुद्दीन अंसारी, आशीष सिंह, मनीष बैसवार, मनोज चौधरी, मो. इस्माइल, सुरेश, आदित्य, संदीप वर्मा, सुधीर तिवारी, मो. अशरफ, सतीश चंद्र, रामानंद, आशीष, सर्वेश दीक्षित, धर्मेंद्र वर्मा, दिनेश कुमार वर्मा, दीपेंद्र वर्मा और राजेंद्र त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं पदाधिकारी शामिल रहे।

## भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर एक संगोष्ठी का आयोजन

लखीमपुर–खीरी, १३ अप्रैल युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आज भारत रत्न बाबा साहेब ड . भीमराव आंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के संस्थापक राजा युवराज दत्त सिंह एवं बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर

किया गया। कार्यक्रम में दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. सुभाष चन्द्रा ने विषय प्रवर्तन करते हुए बाबा साहेब के जीवन एवं उनके द्वारा किये गये कार्यों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं। उन्होंने बताया कि डॉ. आंबेडकर केवल दलितों एवं अन्य पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए ही नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज के विकास के लिए सतत प्रयत्नशील रहे। उन्होंने लोगों को शिक्षित बनने, संगठित रहने एवं संघर्ष करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि अतिथि के रूप में प्रो. सौरभ कुमार सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ उपस्थित रहे। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि डॉ. आंबेडकर का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री एवं एक सक्रिय राजनीतिक व्यक्तित्व थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. संजय कुमार ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने ऐतिहासिक कार्यों के माध्यम से पीड़ित एवं वंचित समाज को बराबरी का अधिकार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. हेमंत पाल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कार्यक्रम से जुड़े समस्त शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने संविधान में वर्णित वैज्ञानिक सोच को विकसित करने पर विशेष बल दिया तथा युवाओं को समसामयिक समस्याओं के समाधान हेतु डॉ. आंबेडकर के विचारों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा– ष्कनबंजपवद पे जीम ामल जव तिममकवउष कार्यक्रम के अंत में छात्र–छात्राओं को नारी शक्ति का वंदन और सशक्तिकरण की शपथ दिलाई गई। सांस्कृतिक परिषद की संयोजक प्रो. नीलम त्रिवेदी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी के प्रति धन्यवाद् ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रो. ज्योति पंत, प्रो. एस.के. पाण्डेय, प्रो. सत्यनाम, डा. धर्म नरायण, प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. ओ.पी. सिंह, डॉ. ब्रजेश शुक्ला, डॉ. मानवेंद्र यादव, डॉ. अमित सिंह, डॉ रचित कुमार, डॉ. सौरभ वर्मा एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

# जन भवन लखनऊ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम योगी ने किया आधुनिक विद्यालय का उद्घाटन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन भवन, लखनऊ में आदर्श माध्यमिक

विद्यालय के नवनिर्मित भवन का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने "हमारा जन भवन" पुस्तक का विमोचन भी किया और विद्यालय के लिए नई बस की चाबी प्रधानाचार्य एवं चालक को सौंपकर छात्रों को एक और सुविधा प्रदान की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने बताया कि राजभवन परिसर में वर्ष १९६१ से संचालित परिषदीय विद्यालय का व्यापक कायाकल्प किया गया है। अब इस विद्यालय को कक्षा १० तक उच्चीकृत कर दिया गया है, जिसमें १४ आधुनिक कक्षाएं, कंप्यूटर लैब और अत्याधुनिक एआई लैब जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पिछले ६ वर्षों में "ऑपरेशन कायाकल्प" अभियान के माध्यम से परिषदीय विद्यालयों की आधारभूत सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार किया गया है। वहीं "स्कूल चलो अभियान" के तहत बच्चों को विद्यालयों से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप नामांकन में वृद्धि हुई है और ड्रॉपआउट दर में कमी आई है। सरकार की प्राथमिकता बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना भी है। इसी क्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को कक्षा ८ से बढ़ाकर १२ तक उच्चीत किया जा रहा है, जिससे प्रदेश के ७४६ बालिका विद्यालयों को लाभ मिलेगा। सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक ब्लॉक में बालिकाओं के लिए इंटरमीडिएट स्तर तक शिक्षा उपलब्ध हो सके। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि नई शिक्षा नीति २०२१ के तहत "लर्निंग बाय डूइंग" जैसी अवधारणाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे छात्रों को व्यावहारिक एवं कौशल आधारित शिक्षा मिल सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है और उन्हें बेहतर शिक्षा, आधुनिक संसाधन तथा सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि ऐसे प्रयासों से प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी तथा नई पीढ़ी आत्मनिर्भर और सक्षम बनेगी।

# लखनऊ में खेल महाकुंभ का आगाजः केडी सिंह बाबू स्टेडियम पहुंचे राजनाथ सिंह, बोले ''खेलों से बनेगा सशक्त भारत''

लखनऊ। राजधानी के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित भव्य 'सांसद खेल महाकुंभ' (खेल संसद) कार्यक्रम में देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शिरकत की और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने खेल जगत में अपनी मजबूत पहचान बनाई है और अब देश में खेलों का एक नया युग शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा खेल अवसंरचना पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जिससे गांव–गांव तक आधुनिक खेल सुविधाएं पहुंच रही हैं। रक्षा मंत्री ने उत्तर प्रदेश में खेलों के विकास की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य में खेल परियोजनाओं पर बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है। इससे युवाओं को आगे बढ़ने और अपने हुनर को निखारने का बेहतर अवसर मिल रहा है। तीन दिवसीय इस खेल महाकुंभ में एथलेटिक्स, फुटबॉल, कबड्डी, वॉलीबॉल, हॉकी, बॉक्सिंग, बास्केटबॉल और ताइक्वांडो सहित कई प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच उपलब्ध कराना है। अपने

संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि आज खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि करियर और राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। उन्होंने युवाओं से खेलों में सक्रिय भागीदारी करने और देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। यह आयोजन लखनऊ सहित पूरे प्रदेश के खेल प्रतिभाओं के लिए एक बड़ा अवसर माना जा रहा है, जो न केवल खिलाड़ियों को मंच देगा बल्कि खेल संस्कृति को भी नई दिशा प्रदान करेगा।

# 'बाबा साहब का जीवन संघर्ष और दर्शन राष्ट्र की साझा विरासतः डॉ. सौरव मालवीय'

लखीमपुर–खीरी। विद्या भारती विद्यालय पं. दीन दयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज (यू.पी. बोर्ड) में आज भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर

की जयंती के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विद्या भारती के क्षेत्रीय मंत्री डॉ. सौरव मालवीय जी ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उपस्थित जनसमूह और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. मालवीय जी ने कहा कि बाबा साहब का जीवन और उनके विचार संपूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का पुंज हैं। डॉ. मालवीय जी ने अपने संबोधन में शिक्षा की महत्ता पर विशेष बल देते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर का स्पष्ट मानना था कि शिक्षा ही वह एकमात्र माध्यम है जो समाज में व्याप्त असमानता को दूर कर सकती है। उन्होंने कहा कि विद्या भारती भी बाबा साहब के 'शिक्षित बनो' के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी गरिमापूर्ण जीवन प्राप्त हो सके। संवैधानिक मूल्यों की चर्चा करते हुए उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे देश की प्रगति के लिए संगठित हों और सामाजिक समरसता के संकल्प को अपनाएं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. किरणलता डंगवाल जी एवं श्रीमती निधि द्विवेदी जी (क्षेत्रीय संयोजक, बालिका शिक्षा) की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनके साथ ही विद्यालय के प्रधानाचार्य, अन्य प्रमुख शिक्षाविदों, संस्थान के पदाधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और सामाजिक समरसता के संकल्प के साथ हुआ।

# अयोध्या नगर निगम में अब ७० पार्षद,महापौर गिरीशपति ने १० नामित पार्षदों को दिलाई शपथ

अयोध्या। महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने सोमवार को नगर निगम के नामित १० पार्षदों को सर्किट हाउस में समारोह पूर्वक पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसी

के साथ पार्षदों की संख्या बढ़कर ७० हो गई है। महापौर ने उम्मीद जताई कि नामित पार्षद अयोध्या के विकास में अपना पूर्ण योगदान देंगे, और नगर निगम को बेहतर ढंग से संचालन में निर्वाचित पार्षदों के साथ मिलकर अहम भूमिका निभाएंगे। शपथ समारोह के दौरान नामित पार्षद रंजना सागर भावुक हो गईं। जिससे पूरा माहौल कुछ देर के लिए भावनाओं से भर गया। आज नामित पार्षद सुशील मिश्र, संजय निषाद, लक्ष्मण वर्मा, संजय कोरी, सुशील कुमार सिंह, रंजना सागर, आशुतोष पांडेय, ज्ञान केसरवानी, सुनीता गुप्ता और अर्चना द्विवेदी ने शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन सहायक नगर आयुक्त गुरुप्रसाद पांडे ने किया। समारोह में नगर विधायक वेदप्रकाश गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, नगर निगम के उपसभापति संतोष सिंह, निवर्तमान उपसभापति राजेश गौड़ समेत नगर निगम के अधिकारी आदि मौजूद रहे।

# कई इलाकों में ट्रैफिक जाम से जनजीवन प्रभावित

नोएडा। सोमवार को हजारों कर्मचारियों ने सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन वेतन वृद्धि (इंक्रीमेंट) और काम के समय को लेकर कंपनियों द्वारा किए गए वादों को पूरा न करने के विरोध में किया गया। कर्मचारियों का आरोप है कि बढ़ती महंगाई के बावजूद उनके वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई, जबकि कंपनियों ने पहले इंक्रीमेंट देने का आश्वासन दिया था। प्रदर्शन के चलते शहर के कई प्रमुख इलाकों में यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई। सबसे ज्यादा असर सेक्टर–६२ क्षेत्र में देखने को मिला, जहां बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने सड़क पर उतरकर मार्ग को अवरुद्ध कर दिया। इस कारण सेक्टर–६२ से सेक्टर–१६ और एनएच –९ की ओर जाने वाले मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। दफ्तर जाने वाले लोगों, स्कूल बसों और आम यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों का कहना है कि लगातार बढ़ रही महंगाई के कारण उनके लिए घर चलाना मुश्किल हो गया है।

# आंबेडकर प्रतिमा पर क्षत्र लगाने का प्रस्ताव

अयोध्या। अशफाक उल्ला खां वार्ड के पार्षद एडवोकेट अखिलेश पाण्डेय ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के पूर्व कचहरी परिसर अंतर्गत प्रतिमा के सम्मान में क्षत्र लगाने का प्रस्ताव नगर आयुक्त को दिया। साथ ही अयोध्या में अन्य विभिन्न स्थानों पर लगीं आंबेडकर की सभी प्रतिमाओं के सम्मान में क्षत्र लगाने की अपील की। नगर आयुक्त ने अविलंब क्षत्र निर्माण हेतु अवर अभियंता निर्माण को आदेशित किया गया। प्रस्ताव देने में अयोध्या नगर निगम के पूर्व पार्षद अजय पांडे, पार्षद राशिद सलीम, पार्षद विकास कुमार, पार्षद पति रिशु पांडे, पार्षद पति मोहम्मद सुफियान, पार्षद पति अनिकेत यादव शामिल रहे।

# अगर मुख्यमंत्री स्थिति संभाल नहीं पा रहे हैं, तो उन्हें पद से इस्तीफा दे देना चाहिएः अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को नोएडा में मजदूरों के आंदोलन के पीछे साजिश की आशंका पर सवाल उठाते हुए राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कहा कि अगर आप से प्रदेश नहीं संभल रहा है तो ससम्मान इस गद्दी से उतर जाइए, नहीं तो जनता उतार देगी। योगी आदित्यनाथ ने मुजफ्फरनगर के एक समारोह में नोएडा में हुए श्रमिक आंदोलन के ष्टिगत उनसे और उद्यमियों दोनों से संवाद बनाए रखने की अपील करते हुए कहा, 'कुछ लोग औद्योगिक अशांति फैलाना चाहते हैं, उनसे सावधान रहें और उन्हें सफल न होने दें। हमारी सरकार श्रमिकों और उद्यमियों दोनों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।' उनके इस बयान के कुछ घंटे बाद सोमवार को ही सपा प्रमुख ने ''एक्स'' पर पोस्ट किया, ''अगर माननीय मुख्यमंत्री जी नोएडा के मजदूरों के आंदोलन को किसी की साजिश बता रहे हैं तो एक

सवाल जनता आपसे पूछ रही है कि अगर यह सच है तो आपकी खुफिया पुलिस क्या आपके साथ बंगाल प्रचार करने गई थी।'' यादव ने मुख्यमंत्री से पूछा कि मजदूरों के आंदोलन को नक्सलवाद के आरोप से बदनाम करने से पहले आप यह बताएं कि आपने ऐसा क्या किया है कि १० सालों में ऐसे हालात बन गये। सपा प्रमुख ने कहा, ''आप मजदूरों के जख्मों पर मरहम नहीं लगा सकते तो न लगाएं, लेकिन उन जख्मों पर नमक तो न छिड़कें।'' उन्होंने दावा किया,'' भाजपाई कमीशनखोरी से जन्मी महंगाई के कारण परिवार वाले वैसे ही दुखी है उसके ऊपर अवांछित दोषारोपण करने का जो पाप आप कर रहे हैं, वो घोर निंदनीय है। इससे हालात बद से बदतर हो सकते हैं।'' यादव ने मुख्यमंत्री पर प्रहार करते हुए कहा, ''अगर आप से प्रदेश नहीं संभल रहा है तो ससम्मान इस गद्दी से उतरकर जाइए, नहीं तो जनता उतार देगी। भाजपाई भ्रष्टाचार में आकंठ लिप्त हैं, इसलिए न इनसे देश संभल रहा है, न प्रदेश।'' यादव ने यह भी कहा कि भाजपा का डबल इंजन, जनता के लिए ट्रबल इंजन बन गया है।

# गैंगस्टर एक्ट में फरार आरोपी की २.२५ करोड़ की संपत्ति कुर्क

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में पुलिस और प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई में गैंगस्टर एक्ट में वांछित एक आरोपी की करोड़ों रुपये की संपत्ति कुर्क कर ली गयी है। आरोपी पर चोरी समेत कई

आपराधिक मुकदमे दर्ज बताए जा रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों ने आज यहां बताया थाना सुरसा में दर्ज मुकदमे में उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम, १९८६ के तहत फरार चल रहे अभियुक्त धीरज गुप्ता निवासी कासिमपुर जिला हरदोई के खिलाफ यह कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन में पुलिस व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने लखनऊ मुख्य मार्ग पर स्थित ग्राम बम्हनाखेड़ा में आरोपी के दो मंजिला भवन को कुर्क किया। यह संपत्ति गाटा संख्या २७० और २७३ में स्थित है, जिसका कुल रकबा ०.११३५ हेक्टेयर (आंशिक हिस्सा) है। प्रशासन के अनुसार कुर्क की गई संपत्ति की अनुमानित कीमत करीब दो करोड़ २५ लाख १४ हजार रुपये आंकी गई है। इस कार्रवाई में राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम मौजूद रही। प्रशासन का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566
सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

# 'लिटिल योगी' के साथ योग करती दिखीं शिल्पा शेट्टी

मुम्बई। जब भी योग और हेल्दी लाइफस्टाइल की बात होती है, तो एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी का नाम सबसे पहले आता है। वह लोगों को स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित करती हैं। इस कड़ी में सोमवार को उन्होंने एक ऐसा वीडियो शेयर किया, जिसमें फिटनेस के साथ–साथ मां–बेटी के खूबसूरत रिश्ते की झलक भी देखने को मिली। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से लोगों का ध्यान खींच रहा है। दरअसल, शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी बेटी समीशा शेट्टी कुंद्रा के साथ योग करती नजर आ रही हैं। वीडियो में दोनों मैट पर लेटकर उभय पादंगुष्ठासन करने की कोशिश करती हैं। इस दौरान शिल्पा अपनी बेटी को यह आसन करने के लिए कहती हैं, लेकिन छोटी समीशा कहती है कि वह

इसे नहीं कर पा रही। इस पर शिल्पा शेट्टी अपनी बेटी को हिम्मत देती हैं और कहती हैं कि ऐसा कुछ भी नहीं है, जो आप नहीं कर सकती। मां के इस हौसले के बाद दोनों अनंतासन करती दिखती हैं। इस बार समीशा शेट्टी इस आसन को बहुत अच्छे से कर लेती हैं। वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में शिल्पा शेट्टी ने अपने इमोशन्स शेयर किए। उन्होंने अपनी बेटी को 'लिटिल योगी' कहते हुए लिखा, "यह फिट और मजबूत बने रहने की मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है। साथ में स्ट्रेच करना, हंसना और सीखना मेरे लिए सबसे खास पल होता है। अगर बच्चों को छोटी उम्र से ही अच्छी आदतें सिखाई जाएं, तो उनका शरीर मजबूत और दिमाग शांत बनता है। बैलेंस सिखाया नहीं जाता, बल्कि रोज की आदतों से अपने आप आता है। बता दें कि २२ नवंबर २००६ को शिल्पा शेट्टी ने बिजनेसमैन राज कुंद्रा से शादी की थी। शादी के बाद उन्होंने २०१२ में बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम उन्होंने वियान रखा। वहीं समीशा शेट्टी कुंद्रा का जन्म २०२० में सरोगेसी के जरिए हुआ। शिल्पा अक्सर अपने बच्चों के साथ बिताए खास पलों को सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं, जिन्हें फैंस भी काफी पसंद करते हैं।

# थलपति विजय की 'जना नायकन' की लीक पर आर. माधवन ने जताया दुख

मुम्बई। थलपति विजय की आगामी राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म 'जना नायकन' रिलीज से पहले लीक को लेकर चर्चा में बनी हुई है। फिल्म में विजय के एंट्री सीन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं और साउथ सिनेमा के सभी स्टार लगभग इसका विरोध कर चुके हैं, लेकिन अब 'धुरंधर' में अपनी एक्टिंग से सबका दिल जीतने वाले आर. माधवन ने फिल्म को लेकर बड़ी बात कही है। मणिरत्नम की तमिल फिल्म से करियर की शुरुआत करने वाले आर. माधवन भले ही हिंदी सिनेमा में बड़ा नाम कमा चुके हैं लेकिन उनकी जड़ें आज भी दक्षिण सिनेमा से जुड़ी हैं। अब उन्होंने साउथ सिनेमा में रिलीज से पहले लीक हो रही या फिर रिलीज के बाद पाइरेसी की शिकार हो रही फिल्मों

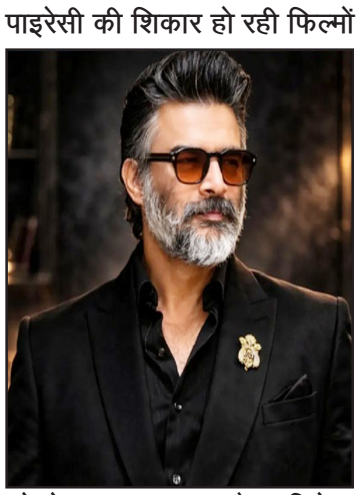

को लेकर दुख जताया है। अभिनेता ने सूर्या शिवकुमार के ट्वीट को रीट्वीट किया है और उनके ट्वीट का समर्थन भी किया है। अभिनेता ने लिखा मैं पूरी तरह सहमत हूं, और यह बेहद दुखद और चिंताजनक है। लोग इस तरह की हरकतें करके कैसे बच निकलते हैं? ेपया इस फिल्म में शामिल सभी लोगों की मेहनत का सम्मान करें। ेपया इसे पायरेटेड प्लेटफ र्म पर देखने से बचें। इससे पहले सूर्या शिवकुमार ने 'जना नायकन' के सपोर्ट में ट्वीट कर लिखा है कि लोग ऐसी वीडियो को न तो देखें और न ही शेयर करें। उन्होंने लिखा दिल दहला देने वाला और अन्यायपूर्ण। पूरी टीम का जुनून इस तरह बर्बाद हो गया। मैं आप सभी से ईमानदारी से निवेदन करता हूं, कृपया इस फिल्म को न देखें, न शेयर करें और न ही यहां इस पर चर्चा करें। उनके काम का सम्मान करें। मैं अपने दोस्तों के साथ खड़ा हूं और इस ेत्य की निंदा करता हूं। बता दें कि विजय की 'जना नायकन' लंबे समय से रिलीज का इंतजार कर रही है क्योंकि सेंसर बोर्ड ने फिल्म को कुछ कारणों से सर्टिफिकेट नहीं दिया है। हालांकि, सेंसर बोर्ड ने फिल्म के सीन्स के लीक होने को अफवाह बताया है। वहीं, दक्षिण सिनेमा मिलकर फिल्म मेकर्स के सपोर्ट में खड़ा है और फिल्म एसोसिएशन से इस कार्य में लिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहा है।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक